

ज्ञान मंथन

- 1) यूक्रेन में हाल ही में रूसी बलों द्वारा कब्जा किया गया द्युहलेदारज क्या है?
- 2) कृष्णवेणी संगीत नीराजनाम महोत्सव किस राज्य से संबंधित है?
- 3) डेड सी, जो समाचारों में देखी गई थी, किन दो देशों के बीच स्थित है?
- 4) भारत का पहला महावत गांव किस राज्य में शुरू किया गया है?
- 5) जनवरी 2025 में ज़ोरान मिलानोविच को किस देश का राष्ट्रपति चुना गया है?

RamaQuiz (Pappu Ganesh)



उत्तर माला

- (1) कोयला खनन कब्जा (2) आंध्र प्रदेश (3) इज़राइल और जॉर्डन (4) तमिलनाडु (5) कोएशिया

जीवन का हर पहलू कुछ कहता है

जीवन एक खोज है, और यह खोज तब और जिज्ञासा से शुरू होती है। बस अपने मन को खोजें, सवाल पूछें, और सत्य की सलाह करें। यह सलाह हमें जीवन के गहरे अर्थों तक ले जाएगी। जीवन अनुभवों से भरा हो सकता है, लेकिन हमारे पीछर कहीं न कहीं एक विचार और फलदायी एकांत हमेशा रहता है। जीवन की कल्पनाओं में हमें अपनी कल्पना के अनुसार अपने पीछर प्रेरणा भी मिलती है और अपने आप से प्रेरणा कि क्या हम खुश हैं। सभी शांति यह मिलती है, जब हम अपने पीछरों में गहरे उतरते हैं। हम दिन अपने लिए समय निकालकर जीवन का असली जेहूदा पा सकते हैं। जीवन में कुछ भी संयोग नहीं है। हर घटना, हर अनुभव, एक कारण से बंधा है। जीवन की घटनाओं को तब तक की नजर से देखें, व हमें सिलाने और मजबूत करने के लिए है। ईश्वर के अलगाव अन्य चीजें वास्तव में संयोगवश हो सकती हैं, लेकिन उनकी सम्पत्ति सत्ता के संदर्भ में नहीं। कुछ घटनाएं व वस्तुएं बिना किसी पूर्व निर्धारित योजना व कारण के घटित हो सकती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे अंधकार में नहीं हैं या उनकी कोई सम्पत्ति सत्ता नहीं है।

जीवन में स्वतंत्रता और सम्पन्नता है। हमारे पास चुनने की शक्ति है, लेकिन यह शक्ति ईश्वर को ज़रूरत में मिलती है। जीवन में नीतिगत और स्वतंत्रता को अपनाओ। जीवन का असली जेहूदा प्रीति का खोज है। यह सलाह ईश्वर ने है, जो हमें और सर्वसम्मतिमान है। जीवन को इस तरह लें कि हर क्षण हमें प्रीति के कणों से जगाए। तब और आपका जो जोड़। जीवन का हर पहलू, प्रेम, दुख, खुशी, एक जेहूदा की ओर इशारा करता है। इन सभी भावनाओं का अनुभव करना, और उन्हें स्वीकार करना, हमें एक पूर्ण और सम्पूर्ण जीवन जीने में मदद करता है। अपने जीवन को एक विचार को तरह देखें, जहां हर अनुभव एक प्रयोग है, जो हमें सत्य के करीब ले जाता है। ईश्वरशक्ति बुद्धि से अधिक शक्तिशाली है, क्योंकि यह स्वतंत्र है, जबकि बुद्धि विचार के विचार द्वारा निर्धारित होती है। बुद्धि हमें विकल्पों की पहचान करने में मदद करती है, लेकिन ईश्वरशक्ति ही अंतिम रूप से यह तय करती है कि हम कौन-सा विकल्प चुनते हैं, भले ही वह बुद्धि के विरुद्ध हो। ईश्वरशक्ति में न्याय करने की एक अतिरिक्त क्षमता होती है और यह क्षमता मनुष्य को स्वतंत्र और नैतिक रूप से कार्य करने में सक्षम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अपने जीवन को प्रेम, विश्वास और करुणा से भरी। यह हमें शांति और जेहूदा देता। अपने कर्मों की नीतिगत के तहत गुण नीले, तो पाएंगे कि सच्चा जीवन वहीं है, जो दूसरों के लिए भी अच्छा हो। प्रेम को अपने जीवन का आधार बनाओ। हमें दूसरों की खुशी, मानसता की बेतरी, या किसी कल और दुख पर ध्यान देना चाहिए। जीवन एक ब्रह्म है, इसे तब, प्रेम और विश्वास के साथ लें। जीवन में सत्य की खोज करें, और आप पाएंगे कि हर क्षण स्वतंत्रता और शांति की ओर ले जाता है।

नए सिरे से शुरूआत करें :

जीवन का हर मोड़ हमें कुछ-न-कुछ सिखा रहा होता है। बस ज़रूरत है, हर चीज को अपने जीवन में नए सिरे से इतारने की। स्वतंत्र होने के कारण ईश्वरशक्ति बुद्धि से अधिक शक्तिशाली है। बुद्धि हमें विकल्प सुझाती है, जबकि ईश्वरशक्ति से हम यह तय करते हैं कि कौन-सा विकल्प चुनना बेहतर होगा। दोनों में सामंजस्य जरूरी है।



योगेश कबलपुरिया
वरिष्ठ पत्रकार
लेखक एवं
मोडिबेनल स्पीकर

अभिलाषा के दिव्यांग बच्चों द्वारा की गई श्री बागेश्वर महादेव की महाआरती, बच्चों का हुआ सम्मान



राजनानंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। संस्काराधानी में सावन के

पवित्र सावन माह में श्री बागेश्वर धाम मंदिर में सावन महोत्सव 2025 पूरी ब्रह्मा भक्ति उत्सव के साथ मनाया जा रहा है। प्रति सावन सोमवार शिवभक्तों द्वारा भगवान भोलेनाथ की संस्था महाआरती की जा रही है। अंतिम सोमवार को भगवान बागेश्वर महादेव की महाआरती हेतु अभिलाषा के दिव्यांग बच्चों की कामना, कल्याण की कामना से आमंत्रित किया गया था। उक्त महाआरती परिकल्पना व तैयारी श्री बागेश्वर धाम मंदिर सेवकगण पंकज गुप्ता, भावेश अग्रवाल, सूरज गुप्ता, विजय गुप्ता, मयंक शर्मा, रावेश शर्मा, अजय गुप्ता सौरभ खंडेवाल द्वारा की गई। इसी कड़ी में चौथे सोमवार को संस्था अभिलाषा के दिव्यांग बच्चों की बागेश्वर धाम मंदिर पहुंचे, उनके श्री बागेश्वर महादेव के दर्शन के बाद हर-हर महादेव, जब बागेश्वर धाम का जयकार लगाया गया तत्पश्चात महाआरती ब्रह्मा उत्सव के साथ की गया। महाआरती के पश्चात् दिव्यांग बच्चों को



महाप्रसादी वितरित की गई। बच्चों को श्री बागेश्वर मंदिर धर्माध्यक्ष द्रष्ट तथा भावेश अग्रवाल द्वारा उपहार वितरण किया गया तथा अगले आयोजन में आने का न्यौता देकर विदाई की गई। उक्त अवसर पर श्रीराम हनुमान शिव कांबड़ बाबा में शामिल होकर श्रीराम शिव हनुमान बनने वाले बाल गोपालों की भी सम्मान श्री बागेश्वर मंदिर धर्माध्यक्ष द्रष्ट द्वारा किया गया। इस अवसर पर अनेक शिवभक्तगण भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। श्री बागेश्वर मंदिर धर्माध्यक्ष द्रष्ट द्वारा महाआरती व सावन महोत्सव में शामिल हुए सभी शिवभक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया है एवं भविष्य में भी आयोजनों में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया है। उक्त जानकारी श्री बागेश्वर मंदिर धर्माध्यक्ष द्रष्ट के सेवक विकास गुप्ता सौरभ गुप्ता द्वारा दी गई।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ग्राम पारिकला में एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत किया पौधरोपण

राजनानंदगांव

(नांदगांव टाइम्स)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज राजनानंदगांव प्रवास के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत राजनानंदगांव विकासखंड के ग्राम पारिकला में रोड़ किनारे कटमा का पौधा लगाया। उल्लेखनीय है कि ग्राम पारिकला के सड़क के दोनों किनारे में लगभग 300 पौधे लगाने की कार्ययोजना बनाई गई है। इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती



किरण वैष्णव, अध्यक्ष जयपद पंचायत श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती देवकुमारी साहू, जिला पंचायत सदस्य शीला सिन्हा, समाजसेवी श्री कोमल सिंह राजपूत, श्री सौरभ कोठारी, सैंडीओ जिला पंचायत सुब्रह्म सुब्रह्म सिंह, लीड बैंक मैनेजर श्री मुनिप शर्मा, सरपंच श्रीमती कामनी अग्रवाल, पंच सचिव बड़ी संख्या में अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्राणेयजन उपस्थित थे।

पायल बरमाटे वनी शहर महिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष

राजनानंदगांव (नांदगांव टाइम्स)। बहुत ही हर्ष का विषय है की

सेवादल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लाल जी देसाई जी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष कौसेम सेवादल अरुण तावकर जी छत्तीसगढ़ तथा प्रदेश सेवादल की प्रदेश महिला अध्यक्ष मंडुलता आनंद द्वारा दी गयी अनुश्रुता आदेशानुसार राजनानंदगांव शहर की जिला महिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष श्रीमती पायल बरमाटे जी की नियुक्त किया गया अतिरिक्त छत्तीसगढ़ राज्य अध्यक्ष (रिता सुमन सोहंकर) द्वारा जिला कांग्रेस सेवादल राजनानंदगांव शहर अध्यक्ष कौसेम कोटरी कुलबीर खड्गद्वारा द्वारा पुनः गृह्य एवं सेवादल की भीमती दीपी पहन कर बधाई दी गयी, एवं पार्टी के अनुमान में दृढता पार्टी के लिए काम करने का संकल्प दिलाया गया एवं सभी कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों दक्षिण ब्लाक अध्यक्ष सुर्यकांत द्वारा कैडक आभारित की गयी। विरमसे मुख्य रूप से रमेश डकालिया जी, रमेश गुडरी जी, श्री किशन खड्गदेवाला जी, कुतुबुद्दीन सोलंकी जी, दिनेश शर्मा, एनी मांझीका युवक कौसेम अध्यक्ष, शशेल रिचारी अध्यक्ष अन्य संघर्षक, दक्षिण ब्लाक प्रभारी श्री रीशाल ,रुक्मिणी जोशी,पद्म कोटरी,पंकज कांबड़,जय खान ,सेवादल दक्षिण ब्लाक अध्यक्ष जितेंद्र सिन्हा एवं पांढर पुर्णिमा नानादेवे, विलेख बंधोरा सहित सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे सभी के द्वारा हरे सारी बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं समस्त कांग्रेस सेवादल परिवार उक्त जानकारी कांग्रेस सेवादल के महामंत्री बुधधाम साहू जी द्वारा दी गयी।



मोर पार्षद मोर द्वा

वार्ड वासियों को वृद्ध, विधवा या विकलांगता पेंशन योजना की राशि डीबीटी के माध्यम से आती रहे जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत : रौकी बग्गा



राजनानंदगांव

काल 5 अगस्त 2025 को राजनानंदगांव शीतला माता बाई नं. 24 क्षेत्र में बाई वार्डवासियों को वृद्धा, विधवा या विकलांगता पेंशन योजना की राशि डीबीटी के माध्यम से आती रहे इसलिए उनके घर

नियुक्त करने के लिए निर्दिशित किया। अग्रगणित और बचन निर्माण श्रीमती के भवनों की छत्तीसगढ़ श्रीमक छत्तीसगढ़ योजना के तहत 500 से 10000 तक की छात्रवृत्ति प्राप्त करने के लिए चर्मा भरवाया। जनमानस को पीएम सूच्य पर मुफ्त बिजली योजना, पीएम आवास योजना और मुद्रा योजना के बारे में जानकारी दिया। जनमानस की सेवा करना और प्रथामंत्री श्री नंद मोहन जी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए कर्तव्य और राज्य सरकार की योजनाओं को समझा और संबंधित विभाग के जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रयासरत हैं।

धर्म समाचार....



हिंदू धर्म में 12 ज्योतिर्लिंगों का विशेष महत्व माना गया है जिनमें से दूसरा ज्योतिर्लिंग है मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग यह आंध्र प्रदेश के श्रीशैल में स्थित है। इस ज्योतिर्लिंग को मानवस्य दूर-दूर तक फैली हुई है। साथ ही इस ज्योतिर्लिंग के प्रकट होने की कथा भी बहुत ही अद्भुत है। पश्चिम काशी ईश्वर का देव है। शिव पुराण में बताया गया है कि अनुपम, जहां-जहां भगवान शिव ज्योति के रूप में उत्पन्न हुए थे, उन स्थानों पर ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं।



के समान इस भूगर्भाल में कोई दूसरा ज्योतिर्लिंग नहीं है। ब्रह्मसंह में भगवान शिव का एकमात्र धाम होगा, जो प्रलय के बाद भी रहने वाला है। साथ ही इस मंदिर से जुड़ी मान्यता है कि इस मंदिर में स्थापित ज्योतिर्लिंग की पूजा करने से साधक को अक्षय्येय यह के समान पुण्य मिलता है। शिव पुराण में वर्णित कथा के अनुसार, एक बार भगवान शिव और माता पार्वती यह तय नहीं कर पा रहे थे, कि उन्हें कार्तिकेय जी और गणेश भगवान में से किसका पहले विवाह करना चाहिए। तब यह तय किया गया कि जो भी उन दोनों में से पहले पृथ्वी को परिक्रमा पूरी करेगा, उसी का विवाह पहले किया जाएगा। यह

सुनते ही भगवान कार्तिकेय अपने वाहन मोर पर सवार होकर पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए निकल गए। सैंकड़ों गोपों जी ने उनके वाहन पक्ष पर बैठकर भगवान शिव और माता पार्वती की परिक्रमा करनी शुरू कर दी। जब उन्होंने इसका कारण पूछा, तो गणेश जी ने कहा कि माता-पिता की परिक्रमा करना संसार की परिक्रमा करने के बराबर है। यह सुनकर भगवान शिव और माता पार्वती बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने गोपों जी का विवाह कर दिया। जब कार्तिकेय जी पृथ्वी की परिक्रमा कर शिवलिंग लेते, तो सारी बातें जानकर यह जानते थे कि माता पार्वती और गणेश जी पर। जब गणेश जी परिक्रमा करने के लिए जाते, तो सारी बातें जानकर यह जानते थे कि माता पार्वती और गणेश जी पर। जब गणेश जी परिक्रमा करने के लिए जाते, तो सारी बातें जानकर यह जानते थे कि माता पार्वती और गणेश जी पर।

रक्षा बंधन पर 95 साल बाद बन रहा दुर्लभ महासंयोग, इस समय राखी बंधने से मिलेगा देगुना फल

रक्षा बंधन के दिन सीमाध्यम योय समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने से साधक को अत्यंत फल मिलेगा। साथ ही घर में सुख समृद्धि एवं खुशहाली आएगी। इस समय राखी के लोहार पर भद्रा का साया नहीं रहेगा। हर साल सावन पूर्णिमा के दिन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक भाई-राखी या रक्षा बंधन मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर बड़ी संख्या में साधक गंगा स्नान पवित्र नदियों में स्नान-ध्यान कर लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करते हैं। वहीं, पूजा के बाद बहने अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। वहीं, भाई अपनी बहनों को गिफ्ट देते हैं। साथ ही सुख और दुख में साथ देने का वचन देते हैं। यह पर्व देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। ज्योतिषियों की मानें तो दरकों बाद रक्षा बंधन पर दुर्लभ महासंयोग बन रहा है। यह संयोग साल 1930 मनाया है। आसन्न राखी में कई तो दिन, राखी, पूर्णिमा संयोग, राखी बांधने का समय लाभमा समान है। इन योग में लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करने और राखी बांधने से देगुना फल मिलेगा। आइए, इसके बारे में सबकुछ जानते हैं-

